

से मात्र 1 लाख 32 हजार सिलिंडरो की आपूर्ति की गई हैं। मेरे एक प्रश्न के उत्तर में कुछ दिन पूर्व पेट्रोलियम मंत्री ने दावा किया था कि रसोई गैस में कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा था कि उपभोक्ताओं द्वारा गैस सिलिंडर बुक करने के लिए कोई अवधि निर्धारित नहीं की गई है। जबकि गैस कम्पनियों द्वारा एक गैस सिलिंडर के लिए 21 दिन की अवधि निर्धारित कर दी गई है। 21 दिन बाद भी गैस सिलिंडर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। अब उपायुक्त ने निर्दोष जारी किया है कि 15 दिनों के बाद सिलिंडरों की बुकिंग की जाएगी। गैस सिलिंडर की बुकिंग के सम्बन्ध में स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं रहने के कारण विरोधाभास की स्थिति है, जिसका खामियाजा उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। यदि स्थिति में अविलम्ब सुधार नहीं हुआ तो उपभोक्ताओं का आक्रोश और बढ़ सकता है। अतः सरकार को सार्वजनिक हित के इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर तत्काल हस्तक्षेप करते हुए गैस आपूर्ति की स्थिति को सामान्य बनाने के लिए निर्माता कम्पनियों को निर्देश देना चाहिए।

#### **Demand to include Kallanai in World heritage list**

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): The grand Anaikut also known as Kallanai is an ancient dam built on the Cauvery river in the State of Tamil Nadu. It was built by the Chola king, Karikalan, around the first century AD. and is considered one of the oldest water diversion or water regulator structures in the world, still in use. The Kallanai is a massive dam of unhewn stone 329 metres long and 20 metres wide across the mainstream of Cauvery. The purpose of the dam was to divert waters of the Cauvery across the fertile delta region for irrigation *via* canals. The dam is still in excellent condition and served as a model to later engineers including the Sir Arthur Cotton's 19th Century dam across the Kollidam, a major tributary of the Cauvery. The area irrigated by the ancient irrigation network of which the dam was the centrepiece was 69,000 acres. By the early 20th century, the irrigated area had been increased to about one million acres. Hence, owing to its ancient nature and as per clause (iv) of the selection criteria, which states to be an outstanding example of a type of building, architectural or technological ensemble, or landscape which illustrates significant stages in human history, Kallanai may be included in the World Heritage List.

#### **Concern over robberies in running trains in Jharkhand and Orissa due to failure of Law and Order Machinery**

SHRI BHAGIRATHI MAJHI (Orissa): Sir, recently, I came to know that in the general coaches of the Jharkhand Sampark Kranti Express, robberies/dacoities have been taking place frequently, and the poor people of Jharkhand and Orissa, who work for years and save some money to take home for their family members, on the gun point, unknown dacoits take away their money. Also, those who are travelling in the general coaches do not know about the RPF control room and its telephone numbers or any other telephone numbers so that they can call and inform the Railway Police in time. Sir, it is very painful that these kinds of incidents are taking place, especially in every express train general coach, which is going to Orissa, Jharkhand, Bihar and U.P. These are the places where mainly, all farmers and labourers and other poor people are travelling. Sir, the Government should make an arrangement to ensure complete security of the passengers travelling so that these incidents do not take place. Also, most of the general-class passengers lack awareness regarding emergency helpline numbers of the Railway Department. This information should be

printed on the general class tickets for any emergency and security guards should be posted in the trains passing through U.P., Bihar, Jharkhand and Orissa to minimise these incidents.

#### **Need to pay more attention towards the National Aluminium Company**

**श्री रुद्रानारायण पाणि (उड़ीसा) :** महोदय उड़ीसा में अवस्थित नेशनल एल्युमिनियम कंपनी (नाल्को) देश का एक प्रतिष्ठित तथा लाभकारी सार्वजनिक प्रतिष्ठान हैं। यह कंपनी सालाना लगभग 2700 करोड़ का मुनाफा करती हैं। अगर अभी से इस ओर ढंग से ध्यान नहीं दिया जाएगा तो यह नुकसानग्रस्त हो सकती हैं। नाल्को का प्रदावक और कैप्टिव पावर प्लांट राज्य के अनुगुल जिले में अवीस्थ हैं। उसके पास में एक फार्टिलाइजर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का एक यूनिट स्थित था, लेकिन मात्र उसके प्रति यथायोग्य ध्यान के अभाव से वह अब बंद हो गया हैं। आस-पास के तथा पूरे राज्य के लोगों में यह भय है कि अगर सभी से नाल्को के प्रति केंद्र का ध्यान ढंग से नहीं रहेगा तो उसे भी उसी प्रकार से भाग्य का सामना करना पड़ा सकता हैं। हाल में कंपनी को कोयले के बड़े नुकसान का सामना करना पड़ा है। कंपनी के निकट तालचेर में कोयले (महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड) की खदान हैं। वहां से लिकेज करके मैरा गो राउंड, रेलवे बैगन तथा ट्रकों में कोयले की नियमित आपूर्ति होनी चाहिए। अब बीसीसीएल धनबाद से जो कोयला लाया जा रहा हैं, उसमें पत्थर आ रहा हैं। कोयले की आपूर्ति के मामले में तीन मंत्रालय अर्थात् खान, कोयला और रेलवे के बीच तालमेल बनाया जाना चाहिए। अनुगुल स्थित नाल्को नगर में रेलवे का एक स्टेशन स्थापित किया जाना चाहिए। उसके लिए प्लेटफार्म बनाने का खर्च नाल्को उठाने के लिए तैयार हैं। कंपनी के नगर तथा कारखाने के बीच जो राष्ट्रीय राजमार्ग गया हैं, उसका एक बायपास भी बनाया जाना चाहिए। कंपनी के निदेशकों का स्थान रिक्त नहीं रहना चाहिए।

महोदय, लोगों में ऐसी सोच हैं कि कंपनी को किसी भी तरह नुकसान ग्रस्त करने के लिए निहित स्वार्थी तत्व लगे हुए हैं। अतः उसे निजी क्षेत्र को सौंप देने के लिए तथा इस चक्रांत से बचने के हेतु केंद्र से अधिक ध्यान दें, ऐसी मेरी प्रार्थना हैं।

#### **Demand to place the sacred ashes of lord Buddha at Vaishali**

**प्रो.राम देव भंडारी (बिहार) :** मान्यवर, वर्ष 1958 में डा. अनंत सदाशिव अल्टेकर द्वारा कराए गए उत्खनन से वैशाली में प्राप्त भगवान बुद्ध के पवित्र अस्थि-कलश को सुरक्षा कारणों से पटना संग्रहालय में रखा गया था। वैशाली क्षेत्र की जनता द्वारा पवित्र अस्थियों को वैशाली में स्थापित करने की लगातार मांग की जा रही हैं। वर्ष 1984 में भारत सरकार द्वारा अतिरिक्त महानिदेशक, पर्यटन की अध्यक्षता में गठित समिति ने भी वैशाली में भी इसे स्थापित करने की अनुशंसा की थी तथा भारत सरकार के खर्च पर राज्य सरकार को परियोजना बनाने को कहा था। वर्ष 1995 से प्रतिवर्ष आयोजित वैशाली महोत्सव में सरकारी प्रतिनिधियों द्वारा वैशाली में संग्रहालय बनाकर अस्थियां स्थापित करने का आश्वासन मिलता रहा हैं। बिहार सरकार द्वारा दिनांक 8 अप्रैल 2005 की अधिसूचना 25-सं./ वि. 2-23/2000/67 द्वारा “बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय के नाम से संग्रहालय स्थापित कर पवित्र अस्थियां स्थापित करने का निर्णय लिया गया था। माननीय पर्यटन मंत्री, भारत सरकार ने बिहार सरकार को एतद् संबंधी पत्र लिखा हैं, मगर बिहार सरकार द्वारा इस परियोजना का कार्यान्वयन नहीं हो रहा हैं।